This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 5432A

Your Roll No. ....

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Course : B. A. (H) DSE

Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Maitreyi College LIBRARY Chanakya Puri, New Delhi

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Note : Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit or in Hindi or English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :- अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चहिए।

Answers all questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. आयुर्वेद के प्रमुख आचार्यों का उल्लेख करते हुए उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए।

   Express the contribution of prominent ayurvedacharya.

   अथवा

   चरकपूर्व आयुर्वेद की ऐतिहासिक परम्परा पर निबन्ध लिखिए।

   Write an essay on the history of before the charaka ayurveda treaditions.

2. आयुर्वेद की पुनर्वसु परम्परा का ऐतिहासिक विवेचन कीजिए।

   Write the history punarvasu traditions in ayurveda.

   अथवा

   आयुर्वेदावतरण का विस्तृत वर्णन करते हुए आयुर्वेद की दैवीय व लौकिक उत्पत्ति को सचित्र स्पष्ट कीजिए।

munotes.in

Describe the beginning of Ayurveda. Draw a diagram showing its Divine and Laukika beginning.

3. आदानकाल एवं विसर्गकाल में रुक्षता, रस और दुर्बलता के कारणों का विवेचन कीजिए। 15

Discuss about the cause of dryness, fluid (rasa) and weakness in solistis.

अथवा

आयुर्वेद में वर्णित त्रिदोष, त्रिमल, पञ्चमहाभूत, सप्तधातु एवं त्रयोदशाग्नि का विवेचन करें।

Explain Tridosha, Trimala, Panchmahabuta, Saptadhatu and Trayodashaagni according to Ayurveda.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए- 5x3=15

Write a note on any three of the following.

(i) वसन्त ऋतुचर्या
(ii) हेमन्त ऋतुचर्या
(iii) शिशिर ऋतुचर्या
(iv) आहार-विहार
(v) वर्षा ऋतु में अपथ्य
(vi) वाजीकरण

5. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली के अनुसार प्राण एवं अन्न की महत्ता पर प्रकाश डालिए। 15

Write the importance about Life and food according to bhriguvalli of taittiriyopanishad.

अथवा

भृगुवल्ली के अनुसार प्राण एवं अन्न के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Write the importance of Life and Food according to Bhriguvalli.

munotes.in